

LE-957
B.COM. L.L.B. (Sem VIII)
Examination JULY-AUG. 2022
Compulsory/Optional
Group-
Paper-

Name/Title of Paper- PUBLIC INTERNATIONAL LAW
Time: Three Hours

Maximum Marks-100
Minimum Passing Marks-036

नोट: सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिये। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note: Attempt all questions. All questions carry equal marks.

इकाई/Unit-I

1. अंतर्राष्ट्रीय विधि को परिभाषित कीजिए। क्या यह वास्तविक अर्थ में विधि है? सकारण उत्तर लिखिए।

Define International Law. Is it law in true sense? Answer with reason.

अथवा/Or

अंतर्राष्ट्रीय विधि के विभिन्न स्रोतों की विवेचना कीजिए।

Discuss the various sources of International Law.

इकाई/Unit-II

2. राज्यों की मान्यता की घोषणात्मक एवं निर्माणात्मक सिद्धांत की विवेचना कीजिए।

Discuss the Declaratory theory and the constitutive theory of Recognition of states.

अथवा/Or

राष्ट्रीयता के प्रमुख तत्वों का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

Discuss briefly the major elements of Nationality.

इकाई/Unit-III

3. आश्रय से आप क्या समझते हैं? आश्रय के प्रकारों का वर्णन कीजिए।

What do you understand by Asylum? Describe the types of Asylum.

अथवा/Or

तटस्थता को स्पष्ट कीजिए। यह कैसे अवधारित की जाती है?

Explain the concept of Neutrality. How is it determined?

इकाई/Unit-IV

4. सुरक्षा परिषद के गठन एवं कार्यों की विवेचना कीजिए।

Discuss the composition and functions of security council.

अथवा/Or

राजनयिक प्रतिनिधियों के क्या कार्य हैं? राजनयिक प्रतिनिधियों की उन्मुक्तियाँ एवं विशेषाधिकार का उल्लेख कीजिए।

What are the functions of diplomatic agents? Mention the immunities and privileges of diplomatic agents.

इकाई/Unit-V

5. मेनका गाँधी बनाम भारत संघ, ए.आई.आर. 1978 एस.सी. 597 वाद के प्रमुख तथ्य, निर्णय तथा प्रतिपादित विधि के सिद्धांत क्या हैं?

What are the main facts, judgment and the principle of law laid down in Menka Gandhi Vs. Union of India, A.I.R. 1978 S.C. 597 case.

अथवा/Or

एंग्लो-नार्वेजियन फिशरीज वाद 1951 सी.जे. रेब 166 के प्रमुख तथ्य, निर्णय तथा प्रतिपादित विधि के सिद्धांत क्या हैं?

What are the main facts, judgment and the principle of law laid down in Anglo Norwegian Fisheries Case, 1951 C.J. Reb. 166.